www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त...
3 विजय देवरकोंडा से शादी की चर्चाओं पर...
4 जीवन चानन आरोग्य धाम को मिली नई एंबुलेंस

वर्ष: 10 | अंक: 45 | दिल्ली, सोमवार, 8 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

आस्था सही, पर राम पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं- धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

कोलकाता (एजेन्सी)। कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में रविवार को 'सनातन संस्कृति संसद' द्वारा 'लोकखो कंठे गीता पाठ' (लाखों कंठों से गीता पाठ) का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 5 लाख से ज्यादा लोगों ने एक साथ पवित्र भगवत गीता का पाठ किया, जिससे आस्था और उत्साह का माहौल बन गया। इस कार्यक्रम में शामिल हुए बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस आयोजन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के कोलकाता की पवित्र भूमि पर 500,000 लोगों ने एक साथ गीता का पाठ किया। उत्साह और आस्था की लहर देखकर ऐसा लगा जैसे कोलकाता में महाकुंभ मेला लगा हो।' उन्होंने आगे कहा कि सनातन धर्म की एकता ही इस देश और दुनिया के लिए विश्व शांति का सबसे बड़ा साधन है।

दिल्ली में हवा की क्वालिटी अभी भी 'बहुत खराब'

नई दिल्ली (एजेन्सी)। रविवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पर स्मॉग की एक परत छाई रही। शहर की हवा की क्वालिटी 'बहुत खराब' कैटेगरी में बनी हुई थी, जिसका औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 305 दर्ज किया गया। यह पिछले दिन के मुकाबले थोड़ा कम था। इसके साथ ही, राजधानी में कड़ाके की ठंड जारी रही और तापमान 10 डिग्री से नीचे में बना रहा। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के सुबह 7 बजे के डेटा के अनुसार, दिल्ली में सबसे ज्यादा प्रदूषण मुंडका में रिकॉर्ड किया गया, जहां AQI 365 रहा। दिल्ली के कुल 39 मॉनिटरिंग स्टेशनों में से 26 स्टेशनों ने हवा की क्वालिटी 'बहुत खराब' कैटेगरी में बताई, जबकि बाकी 13 स्टेशनों ने इसे 'खराब' स्तर पर दर्ज किया। जिन इलाकों में हवा की क्वालिटी 'बहुत खराब' (AQI 301-400) दर्ज की गई, उनमें मुंडका (365), बवाना (352), रोहिणी (341), वजीरपुर (337), आरके पुरम (326), आनंद विहार (327), अशोक विहार (325), पंजाबी बाग (320), सिरीफोर्ट (318), चांदनी चौक (308) और विवेक विहार (304) शामिल थे।

भारत के संतों, ऋषियों और मुनियों की तपस्या और ध्यान राष्ट्र के शाश्वत ज्ञान का आध्यात्मिक आधार है: उपराष्ट्रपति

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने गुरुग्राम में ब्रह्म कुमारी के ओम शांति रिट्रीट सेंटर (ओएसआरसी) के रजत जयंती वर्ष समारोह का शुभारंभ किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने इस केंद्र के समारोह में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इसकी स्थापना 24 वर्ष पहले ब्रह्म कुमारी के आध्यात्मिक दृष्टिकोण से हुई थी और अब यह अपनी सेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने केंद्र के शांति और ध्यान के संदेश की ओर आकर्षित होने वाले वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, प्रशासकों, राजनेताओं जैसे पेशेवरों की विविधता की सराहना की। उन्होंने ब्रह्म कुमारी को दुनिया के सबसे बड़े महिला-नेतृत्व वाले आध्यात्मिक संगठन के रूप में उभरने के लिए बधाई दी।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने ब्रह्म कुमारी के ओम शांति रिट्रीट सेंटर, गुरुग्राम के रजत जयंती वर्ष का शुभारंभ किया

उपराष्ट्रपति ने आध्यात्म, ध्यान और अंतः जागरण में निहित भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत पर जोर दिया। उन्होंने संतों, ऋषियों और मुनियों के गहन योगदान को याद किया जिनकी तपस्या और ध्यान साधना ने भारत के शाश्वत ज्ञान को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि राजयोग और विपश्यना जैसी परंपराएं इस बात के महत्व को इंगित करती है कि सच्ची शक्ति और स्पष्टता भीतर से ही उभरती है।

श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने इस आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने और भारत तथा विदेशों में लाखों लोगों को मन की शांति और पवित्रता की ओर मार्गदर्शन करने के लिए ब्रह्म कुमारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमृत काल में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक विकसित भारत @2047 की कल्पना की है, जहां आर्थिक विकास, आंतरिक स्थिरता, प्रसन्नता और शांति पूरक हो। उन्होंने कहा कि आज के तीव्र संसार में ध्यान को एक आवश्यक जीवन कौशल के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति ओम शांति रिट्रीट सेंटर की दृढ़ प्रतिबद्धता और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल मिशन लाइफ के साथ तालमेल की भी सराहना की। यह मिशन लोगों को सचेतन जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने केंद्र की हरित पहलों की भी सराहना की जिनमें 1 मेगावाट का हाइब्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र, वर्षा जल संचयन प्रणालियां, बायोगैस और सीवेज शोधन संयंत्र, हरित रसोई, निःशुल्क पौध नर्सरी और कल्प तरु परियोजना के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण शामिल हैं।

उपराष्ट्रपति ने नशा मुक्त भारत अभियान और वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान तथा सभी क्षेत्रों में कर्मयोग को बढ़ावा देने वाली अन्य सामाजिक पहलों में ब्रह्म कुमारी के योगदान की सराहना की।

हाल ही में लखनऊ में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा ब्रह्म कुमारी के वार्षिक अभियान विश्व एकता और विश्वास के लिए राजयोग ध्यान के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए, श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने विश्वास व्यक्त किया कि रजत जयंती वर्ष सेवा के नए मार्ग खोलेगा, सामाजिक साझेदारी को और गहरा करेगा और आध्यात्मिक पहुंच को बढ़ाएगा।

इस अवसर पर हरियाणा सरकार के पर्यावरण एवं वन तथा उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह तथा ब्रह्म कुमारी के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

रविन्द्र इन्द्राज ने 100 बुजुर्गों को बांटे करीब 10 लाख रुपये के सहायक उपकरण

'प्रधानमंत्री मोदी के अंत्योदय संकल्प की दिशा में कार्य कर रही दिल्ली सरकार'

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने रविवार को बवाना के रोहिणी सेक्टर-20 स्थित रॉयल मार्केट में आयोजित राष्ट्रीय वयोश्री योजना के कैंप में 100 वरिष्ठ नागरिकों को लगभग 10 लाख रुपये के निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान किए। इसी कार्यक्रम में उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन भी वितरित किए गए। बवाना विधानसभा में पहले एक वर्ष के भीतर लगभग 01 करोड़ रुपये के सहायक उपकरण बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को वितरित किए जाने का लक्ष्य है।

श्री इन्द्राज ने कहा कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अंत्योदय संकल्प के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले सहायक उपकरण प्रदान किए गए। उन्होंने बताया कि पिछले 9 महीनों में ही वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को पिछली सरकार के पूरे 5 वर्षों से अधिक सहायक उपकरण दिए गए हैं।

समाज कल्याण मंत्री ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी भी घर या पड़ोस में कोई वरिष्ठ नागरिक उम्र या शारीरिक परिस्थिति के कारण सहायक उपकरण की आवश्यकता रखता है, तो हमें अवगत कराएँ। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देशानुसार वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को दिल्ली सरकार की सभी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है। लगातार कैंप आयोजित कर उच्च गुणवत्ता के उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

श्री इन्द्राज ने कहा कि उपकरणों का लाभ घर-घर तक पहुँचाना विभाग की नैतिक जिम्मेदारी है। पात्र व्यक्तियों को बिना किसी बाधा यह सुविधा मिले, इसकी नियमित निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि आगे भी निरंतर असेसमेंट एवं वितरण कैंप आयोजित किए जाएंगे, ताकि कोई भी जरूरतमंद छूट न जाए।

कैंप में वितरित उपकरणों में व्हीलचेयर, वॉकर, व्हील बेयर कमोड, कान की मशीन, चश्मा, सिलिकॉन फोम तकिया, स्पाइनल सपोर्ट बेल्ट, नी प्रेस, सर्वाइकल कॉलर सहित अन्य आवश्यक किट शामिल थीं। श्री इंद्राज ने कहा कि ये उपकरण सिर्फ सामग्री नहीं हैं, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहारा, सुविधा और आत्मविश्वास का माध्यम हैं। इससे उन्हें, चलने-फिरने में आसानी, अकेले दैनिक कार्य करने की क्षमता, गिरने और चोट लगने का खतरा कम, सुनने और बोलचाल में सुविधा, सामाजिक और पारिवारिक जीवन में सक्रिय भागीदारी मिल सकेगी, जिससे उनका जीवन और अधिक स्वावलंबी, सुरक्षित और सम्मानपूर्ण बनेगा। उन्होंने कहा कि कई बुजुर्ग और दिव्यांगजन सिर्फ इसलिए सीमित हो जाते हैं क्योंकि उनके पास सही उपकरण नहीं होते। यह पहल उनके जीवन में व्यावहारिक बदलाव लाएगी और उन्हें दोबारा समाज से जोड़ने में मदद करेगी।

'सामाजिक समस्याएं, आध्यात्मिक ज्ञान' पर सम्मेलन आयोजित

सोच ही कर्म को करती है निर्धारित: हरविन्द्र कल्याण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि सोच हमारे कर्म को निर्धारित करती है। अच्छी व सकारात्मक सोच का होना व्यक्तिगत रूप से भी और समाज के लिए भी जरूरी है। शांति संसाधनों अथवा सुविधाओं से नहीं बल्कि अच्छे कर्म करने से मिलती है।

श्री कल्याण घरौंडा अनाज मंडी में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से सामाजिक समस्याएं, आध्यात्मिक ज्ञान विषय पर आयोजित सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। नन्ही बालिका अलिशा ने सुंदर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। विधानसभा अध्यक्ष ने इस मौके पर कहा कि ऐसे आयोजनों से जीवन में आगे बढने. के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति की जैसी सोच होती है वैसे ही परिणाम मिलते हैं। सोच सकारात्मक हो तो कार्य भी उसी दिशा में आगे बढ़ता है। सोच हमारे कर्म को निर्धारित करती है। अच्छी व सकारात्मक सोच का होना व्यक्तिगत रूप से भी और समाज के लिए भी जरूरी है। भाग्यशाली हैं कि हमने उस भूमि पर जन्म लिया है जहां भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश समाज व मानवता को दिया। श्री कल्याण ने कहा कि जीवन व्यस्त जीवन में जब भी समय मिले, कोई भी ऐसा कार्यक्रम जो दिशा तय करने वाला हो, उसमें अवश्य शामिल होना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि जीवन का लक्ष्य समाज व गरीबों की सेवा होना चाहिए। अच्छी सोच से अच्छा कर्म करते हुए जीवन को सार्थक बनाएं। शांति अच्छे कर्म से मिलती है। सुविधाओं व संसाधनों से कभी शांति नहीं मिल सकती। मिलकर सभी को इलाके की खुशहाली की चिंता करनी है। क्षेत्र को और ऊंचाइयों पर ले जाना है।

समस्याएं हैं तो समाधान भी है- राजयोगी बीके सूरज भाई ने कहा कि आज हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से जूझ रहा है। समस्याएं हैं तो उनका समाधान भी है। यह सत्य है कि विचारों को बदलने का संकल्प लेने से जीवन व संसार भी बदल जाएगा। हर संकल्प में सकारात्मक ऊर्जा होती है। इसमें आने वाले कल के निर्माण की शक्ति है। हम जो आज हैं वह बीते कल के संकल्पों का परिणाम है। मन के संकल्प कल के भविष्य का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि बातें बड़ी नहीं होती पर सोच-सोच कर उन्हें बड़ा बना देते हैं। बीके सूरज ने कहा कि मन में हर विचार से शक्ति पैदा होती है। खराब विचार से खराब, अच्छे विचार से अच्छी शक्ति पैदा होती है। उन्होंने कहा कि खुशी आज मनुष्य के लिए महंगी हो गई है। खुश रहना सीख लें, अनेक समस्याएं खुद ब खुद खत्म हो जाएंगी। इसलिए मुस्कुराइये, समस्याएं भगाइये।

'अपना विक्रेता संवाद' नामक भव्य डीलर मीट का हुआ आयोजन

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। हर्ल द्वारा 5 दिसंबर 2025 को रांची, झारखंड में 'अपना विक्रेता संवाद' नामक भव्य डीलर मीट का सफल आयोजन किया गया। बिहार एवं झारखंड के कुल 100 डीलरों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रभावशाली बनाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हर्ल के प्रबंध निदेशक डॉ.एस.पी. मोहंती रहे। अपने संबोधन में एमडी सर ने हर्ल की वृद्धि एवं उपलब्धियों, यूरिया उत्पादन एवं संचालन प्रगति, उर्वरकों के आयात एवं उपलब्धता, वैश्विक उर्वरक परिदृश्य व रुझान, विस्तार योजनाओं तथा भविष्य की रणनीति पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उनका भाषण प्रेरणादायक, सूचनापूर्ण और भारत के उर्वरक क्षेत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला था।

कार्यक्रम का संचालन बिहार एवं झारखंड मार्केटिंग टीम द्वारा राज्य प्रमुख (मार्केटिंग) गीतम सिंह के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने हर्ल की स्थापना से अब तक की यात्रा प्रमुख व्यावसायिक उपलब्धियाँ, बिहार एवं झारखंड के महत्वपूर्ण योगदान तथा सभी डीलरों के सहयोग, समर्पण और निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने डीलरों को किसानों तक समय पर एवं विश्वसनीय उर्वरक उपलब्ध करवाने के मिशन में हर्ल के अहम साझेदार बताया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले डीलरों को सम्मानित किया गया। तथा सभी प्रतिभागियों को स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। यह पूरा कार्यक्रम मार्केटिंग टीम बिहार एवं झारखंड के कुशल समन्वय से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ऊंचा समाना में 100 कुण्डीय हवन आयोजित

युवा नशे से दूर रहकर ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में लगाएं-कल्याण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल मधुबन द्वारा आर्य युवा समाज के तत्वावधान में गांव ऊंचा समाना के शिव मंदिर में योगी सूरी के मार्गदर्शन में सौ कुण्डीय हवन का आयोजन किया गया। इसके साथ ही 'नो नशा-नेशन रैली' भी आयोजित की गई। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने भी कार्यक्रम में शिरकत की और उन्होंने युवाओं को नशाखोरी से दूर रहकर अपनी ऊर्जा को रूचि अनुसार सकारात्मक कार्यों में लगाने की अपील की।

श्री कल्याण ने कहा कि समाज में खासकर युवाओं में नशे की लत बढ़ती जा रही है जो चिंता का विषय है। नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को बुरी तरह से प्रभावित करता है। यह न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है बल्कि परिवार व समाज पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा का खेलों अथवा रूचि अनुसार अन्य गतिविधियों में लगानी चाहिए। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल मधुबन, हरियाणा पुलिस तथा नारकोटिक्स सेंट्रल ब्यूरो ने मिलकर

प्रदेश में नशे के खिलाफ अभियान शुरू किया है। इसी के तहत आज स्कूल के सभी कर्मचारियों और विद्यार्थियों द्वारा गांव ऊंचा समाना में नशे का सेवन न करने के लिए रैली निकाली गई। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने नशा-विरोधी नारे लगाए और लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सही दिशा देना, समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना तथा नशे के विरुद्ध जन जागरण फैलाना था।

नशे के खिलाफ इस अभियान में अर्जुन अवार्डी डीएसपी गीतिका जाखड़, हरियाणा पुलिस की ओर से दीपक और मोहित भी शामिल हुए। विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि ऐसे आयोजन भविष्य में भी जारी रहेंगे ताकि समाज में जागरूकता बढ़े और युवा पीढ़ी नशे जैसी बुराइयों से दूर रह सके। उन्होंने कहा कि यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा। इस आयोजन को सफल बनाने में शिव मंदिर कमेटी ऊंचा समाना और ग्रामीणों ने अहम भूमिका निभाई।

इस मौके पर इंस्पेक्टर संतोष वशिष्ठ, नरेंद्र गोस्वामी, अमरजीत राणा, जतिंद्र राणा, पवन सैनी, सुनील गोस्वामी आदि मौजूद रहे। दूसरी ओर दादुपुर गांव में भी आज 100 कुण्डीय वैदिक हवन यज्ञ व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्राचार्य अरूण वर्मा के अनुसार इस मौके पर युवाओं को नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों द्वारा भजन व सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी किया गया।

विधायक रजनीश कुमार ने किया विधानसभा कार्यालय का उद्घाटन

संजना भारती संवाददाता

तेघड़ा/बेगूसराय। तेघड़ा के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक रजनीश कुमार ने रविवार को तेघड़ा बाजार के स्टेशन रोड में पुराना ब्लॉक के सामने नवनिर्मित तेघड़ा विधानसभा कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। तेघड़ा के विधायक रजनीश कुमार ने बताया कि कार्यालय खुलने से तेघड़ा विधानसभा की सभी जनता को किसी भी प्रकार के कार्य जो हमारे क्षेत्र अंतर्गत और हमारे अधिकार क्षेत्र का होगा उसके लिये हमारे कार्यालय में आकर हमसे मिलकर अपनी बात रख सकते है। विधायक ने बताया कि हम सप्ताह में दो दिन इस कार्यालय में समय देंगे जनता की समस्या सुनेंगे और उसका निराकरण भी होगा। उन्होंने कहा कि कार्यालय के अलावा हम संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र में जनता के बीच भ्रमण करते रहेंगे।

इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष विकास कुमार, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील सिंह, शंभू सिंह, बीहट नगर के चैयरमैन बबीता देवी, कृष्णनंदन सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुमार, जदयू बरौनी नगर अध्यक्ष पंकज राय, अशोक कुमार सिंह भासो पूर्व उप मुख्य पार्षद सुरेश रौशन, भूपेश कुमार, शालिनी देवी, अनुराधा झा सहित सैकड़ों एनडीए कार्यकर्ता और आम जनता उपस्थित थे।

स्वच्छता के ब्रांड एम्बेसडर अजय राय ने शौचालय का सीट देकर खुले में शौच न करने का दिया संदेश

शौचालय का सीट पाकर काशी खरवार के खुशी से चेहरे खिल उठे

संजना भारती संवाददाता

डुमराँव। नगर के स्वच्छता अभियान के ब्रांड एम्बेसडर अजय राय ने खुले में शौच न करने को लेकर एक अच्छी पहल की है उन्होंने "स्वच्छ भारत मिशन" के तहत "स्वच्छ नगर-स्वस्थ नगर" का संदेशा नात्मक नारा देते हुए छठिया पोखरा के काशी खरवार जी को मुफ्त में शैचालय का सीट देकर लोंगो को दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्वा बताते खुले में शौच न करने के लिए लोगो से अपील किया।

शौचालय का सीट पाकर काशी खरवार के खुशी से चेहरे खिल उठे और यह भरोसा दिलाया की अब से वे कभी नहीं खुले में शौच नहीं करेंगे। इस सम्बन्ध में अजय ने बताया की खुले में शौच करने से गंदगी व बदबू फैलने के साथ-साथ मच्छर-मक्खी पनपते हैं, जो कि अनेक बीमारियों को जन्म देते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया की इसके अलावा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डुमराँव नगर सहित आस-पास के गांवो को खुले में शौच से मुक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न स्थानों सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया भी जा रहा है।

बताते चले की अजय राय द्वारा नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए निरंतर स्वच्छता अभियान भी चलाया है जिसके पहलस्वरूप लोगों में व्यापक बदलाव भी दिखने को मिल रहा है।

सम्पादकीय

अव्यवस्था का मोदी मॉडल

देश में चारों तरफ अफरा-तफरी और घबराहट, सड़कों पर उतरे परेशान नागरिक, अपने सवालों के जवाब मांगते लोग ऐसा माहौल अक्सर किसी आपातकालीन अवसर पर बनता है, लेकिन मोदी सरकार में ऐसे नजारे आम हो चुके हैं। 2014 में जब नरेन्द्र मोदी सत्ता संभालने आए तो गुजरात मॉडल का खूब प्रचार किया गया। मानो गुजरात भारत का हिस्सा नहीं, नरेन्द्र मोदी की सरपरस्ती में बना हुआ धरती का कोई स्वर्ग है। देश को वैसा ही स्वर्ग जैसा साफ, सुंदर, भ्रष्टाचार मुक्त, हर तरह से विकसित बनाने का दावा श्री मोदी ने किया था। मजे की बात ये है कि 2014 से लेकर 2025 बीतने को है और अब तक यही सपने देश को दिखाए जा रहे हैं। अभी शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले नरेन्द्र मोदी ने पत्रकारों के सामने शब्दों का यही खिलवाड़ किया था, एक राष्ट्रनीति, मजबूत प्रशासन, डिलीवरी और न जाने क्या-क्या। ऐसा लगता है मानो प्रधानमंत्री किसी स्वप्नलोक में ही विचरण करते रहते हैं, जो उन्हें जमीनी हकीकत पता ही नहीं चलता। अन्यथा पिछले पांच दिनों से देश भर के हवाई अड्डों पर अव्यवस्था का जो आलम है, कम से कम उस पर खेद तो प्रकट कर ही सकते थे। लेकिन अगर प्रधानमंत्री मोदी ने किसी बात पर अपनी गलती मान ली, तो फिर सूरज पश्चिम से निकलने लगेगा। मोदी के पहले कार्यकाल से लेकर तीसरे कार्यकाल तक बार-बार जनता ने मनमाने फैसलों से उपजी अव्यवस्था को ही भुगता है। पहले कार्यकाल में 2016 में नोटबंदी का फैसला हो या दूसरे कार्यकाल में 2020 में लगा लॉकडाउन जनता में घबराहट का माहौल बना और इस तीसरे कार्यकाल में यही अफरा-तफरी एसआईआर को लेकर बिहार में बनी, अब देश के बाकी 12 राज्यों में लोग ऐसे ही परेशान हो रहे हैं। वहीं ट्रेनों के साथ-साथ फ्लाइट्स ऑपरेशन की गड़बड़ियों ने लाखों लोगों को मुश्किल में डाल दिया है। देश में सबसे ज्यादा चलने वाली इंडिगो की उड़ानें पिछले पांच दिनों से रद्द या देरी से चल रही हैं। इसकी वजह है नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) का एक नया नियम। फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन इस नियम में पायलट्स और क्रूमेंबर्स को पर्याप्त आराम देने जैसे प्रावधान हैं। लेकिन इस नियम को लागू करने से पहले पूरी तैयारी नहीं की गई, लिहाजा इंडिगो को कम से कम हजार फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ी। इसके कारण भारी अव्यवस्था फैली और पानी सिर से ऊपर से निकला तो शुक्रवार को नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने बैठक की और सारी व्यवस्थाएं ठीक करने का निर्देश दिया। इस बीच इंडिगो को नियमों में ढील दी गई ताकि वह उड़ान संचालन ठीक से बहाल करे। हालांकि इस पर भी सवाल उठ रहे हैं कि जब नियम पायलट्स के थकान और उनके काम के घंटे निर्धारित करने के लिए था, तो उसमें इतनी ढील देना सही है। इधर लगातार पांच दिन से उड़ानों के रद्द होने से अन्य एयरलाइन कंपनियों ने अपने टिकट दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी की तो उसमें भी शनिवार को जाकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय हरकत में आया और घोषणा की कि वह अपने नियामकीय अधिकारों का प्रयोग करते हुए सभी प्रभावित रूट्स पर किराया नियंत्रण लागू कर रहा है। शुक्रवार को इंडिगो का मामला संसद में भी उठा। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'इंडिगो की विफलता इस सरकार के एकाधिकार मॉडल की कीमत है।' देरी, कैंसिलेशन और लाचारी के रूप में एक बार फिर, इसकी कीमत आम भारतीयों को चुकानी पड़ रही है। भारत हर क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का हकदार है, न कि मैच-फिक्सिंग वाले एकाधिकार का।' यहां जिस मैच फिक्सिंग की बात राहुल गांधी ने की है, वह समझना कठिन नहीं है। जिस तरह देश की सारी संपत्ति और संसाधन दो-तीन लोगों के हाथों में ही केन्द्रित हो चुके हैं, वह एक खतरनाक स्थिति है। उद्योगों और उद्योगपतियों को बढ़ावा देना एक बात है, लेकिन वे अपनी शर्तों पर सरकार चलवाने लगे, यह स्थिति न देश के लिए न राजनीतिक दलों के लिए सही होगी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी इस बारे में चेतावनी दी है कि उद्योगपति अगर सरकार से अधिक ताकतवर हो जाएं, तो फिर वही होगा जो आज हम भुगत रहे हैं। इधर शनिवार को कांग्रेस ने इंडिगो संकट के लिए केंद्र सरकार से सवाल किया कि क्या नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू इस वर्तमान स्थिति के लिए जिम्मेदारी लेंगे और माफी मांगेंगे। कांग्रेस सांसद शशिकांत सेंथिल ने कहा कि जब आठ जनवरी, 2024 को उड़ान ड्यूटी समय सीमा नियम जारी कर दिए गए थे, तो यह सुनिश्चित क्यों नहीं किया गया कि वर्तमान स्थिति पैदा ना हो।

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020 को वापस लेना होगा!

-डॉ. अरुण मित्रा

> विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सुझाव दिया था कि अलग-अलग क्षेत्रों में कामों के तालमेल के लिए सिस्टम बनाया जाना चाहिए। यह जरूरी है क्योंकि अलग-अलग क्षेत्रों में सेहत पर इसका असर अलग-अलग होता है। खनन में लगे लोगों को अपने आस-पास मौजूद किसी खास चीज के संपर्क में आने से होने वाली बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है

पेशाजन्य स्वास्थ्य और सुरक्षा लंबे समय से स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ-साथ श्रम संगठनों के लिए भी गंभीर चिंता का विषय रहा है। 2007 में जेनेवा में हुई 60वीं वर्ल्ड हेल्थ असेंबली ने 'वर्कर्स हेल्थ' ग्लोबल प्लान ऑफ एक्शन' का खाका तैयार किया था। यह मानता है कि 'वर्कर्स दुनिया की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और आर्थिक और सामाजिक विकास में मुख्य योगदान देने वाले हैं। लेकिन उनमें से बहुत कम लोगों के पास पेशेवर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच है।'

अन्तरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर में हर साल 20.2 लाख मौतें, यानी कुल मौतों का 3.6 प्रतिशत, काम से जुड़ी दुर्घटनाएं या बीमारियों की वजह से होती हैं और दुनिया की सालाना जीडीपी का 4प्रतिशत इसकी वजह से नष्ट हो जाता है। इंडियन पॉपुलेशन क्लॉक के मुताबिक, हमारे देश में हर साल 97 लाख मौतें होती हैं। इनमें से लगभग 48000 वर्कर यानी हर साल कुल मौतों का 4.8प्रतिशत काम से जुड़ी दुर्घटनाओं की वजह से होती हैं। कंस्ट्रक्शन सेक्टर में 24.20 प्रतिशत मौतें होती हैं। इनमें से कई दुखद घटनाओं को सही रोकथाम, रिपोर्टिंग और इंस्पेक्शन के तरीकों को लागू करके रोका जा सकता है।

भारत में लगभग 54 करोड़ श्रमिक काम पर हैं। उनमें से लगभग 3 प्रतिशत सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में हैं। सिर्फ वे ही सामाजिक सुरक्षा के तहत आते हैं। शेष कामगारों में से बहुत कम औपचारिक क्षेत्र में हैं, जबकि ज्यादातर, 93 प्रतिशत, अनौपचारिक क्षेत्र में हैं। सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों के अलावा, कुल कार्यबल का सिर्फ 11 प्रतिशत ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत आते हैं। इसलिए, काम से जुड़ी सुरक्षा बहुत जरूरी मुद्दा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सुझाव दिया था कि अलग-अलग क्षेत्रों में कामों के तालमेल के लिए सिस्टम बनाया जाना चाहिए। यह जरूरी है क्योंकि अलग-अलग क्षेत्रों में सेहत पर इसका असर अलग-अलग होता है। खनन में लगे लोगों को अपने आस-पास मौजूद किसी खास चीज के संपर्क में आने से होने वाली बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है। नाभिकीय उद्योग में काम करने वालों को रेडिएशन के खतरे का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों में काम करने वाले लोग फैलने वाली बीमारियों के संपर्क में आते हैं। कंस्ट्रक्शन में काम करने वाले लोगों को गंभीर चोटें लगने की संभावना ज्यादा होती है। सीवर में काम करने वाले लोग बेकार चीजों और जहरीली गैसों के संपर्क में आते हैं। बचाव, इलाज और मुआवजे के तरीके भी उसी हिसाब से अलग-अलग होते हैं। आर्थिक गतिविधियों के ज्यादा जोखिम वाले क्षेत्र और कम सेवा पाने वाले और कमजोर कामकाजी लोगों, जैसे कि कम उम्र के और ज्यादा उम्र के काम करने वाले, दिव्यांग और बाहर से आए काम करने वाले लोगों पर खास ध्यान देना होगा, जिसमें जेंडर के पहलुओं का भी ध्यान रखा जाएगा।

21 नवंबर, 2025 को लागू किए गए व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020(ओएसएच और डब्ल्यूसी कोड) ने कामगारों की सुरक्षा के कई प्रावधानों को पूरी तरह से नकार दिया है। यह असरदार तरीके से लागू करने और भारतीय कार्यबल के बड़े हिस्से को कवर करने के मुख्य मुद्दों को हल करने में नाकाम रहा है। यह कोड 13 केन्द्रीय श्रम कानूनों को एक साथ लाता है जो पहले फैक्टरियों, खदानों, डॉक, कंस्ट्रक्शन, ट्रांसपोर्ट, प्लांटेशन, कॉन्ट्रैक्ट लेबर और माइग्रेंट लेबर जैसे क्षेत्र के कामगारों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, और सेवा शर्तों को नियंत्रित करते थे। नये कोड में इस तरह की खासियतों को नजअंदाज किया गया है।

यह श्रम संहिता उन नॉन-रजिस्टर्ड जगहों पर काम करने वाले कामगारों की चिंताओं को नजअंदाज करता है, जो कुल वर्कर्स के 93 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा हैं। सुपरवाइजर और मैनेजर को इसके कवरेज से बाहर रखा गया है जो गलत है। कोड में सभी कामगारों को शामिल किया जाना चाहिए, चाहे वे किसी भी तरह के काम के हों, जैसे अप्रेंटिस/ट्रेनी, क्योंकि उन्हें भी कई तरह के रिस्क होते हैं; कई बार अनुभव की कमी के कारण उन्हें नियमित कामगारों से भी ज्यादा जोखिम होता है। दूसरी श्रेणी के कामगार, जैसे खेती, घरेलू काम, सीवरेज, नमक, सिक्योरिटी गार्ड, जंगल, आईटी, कूरियर, आंगनबाड़ी आदि के हितों को काफी हद तक नजअंदाज किया गया है। स्पष्ट कारणों से महिला कार्यबल के हितों को प्राथमिकता देनी होगी। ओएसएच कोड कई कानूनी सुरक्षा उपायों को कमजोर करता है जो पहले के क्षेत्र विशेष के कानूनों जैसे कि फैक्टरी एक्ट, माइंस एक्ट, कॉन्ट्रैक्ट लेबर एक्ट और इंटर-स्टेट माइग्रेंट वर्कर एक्ट के तहत मौजूद थे। इनमें से कई पुराने कानूनों में खास तौर पर ज्यादा जोखिम वाले सेक्टर के लिए विस्तार से नियम बनाए गए थे। नया कानूनी ढांचा नियोक्ताओं और सरकारों को बहुत ज्यादा सुविधा देता है, जबकि कामगारों को अनेक अधिकारों से दूर रखता है।

इसके अलावा, कोड सिर्फ उन जगहों पर लागू होता है जहां 10 या उससे ज्यादा वर्कर हैं, खतरनाक कामों के लिए कुछ छूट हैं। कई राज्यों के ड्राफ्ट नियमों में एक 'फैक्टरी' को फिर से परिभाषित करने का प्रस्ताव है, जिसमें बिजली वाले 20 और बिना बिजली वाले 40 वर्कर होने चाहिए, जबकि पहले यह सीमा क्रमशः 10 और 20 थी। यह तकनीकी बदलाव वर्क र कवरेज पर गहरा असर डालता है। शिकायत सुलझाने के तरीके खराब कर दिए गए हैं। कोड वर्कर्स के लिए शिकायत करने या असुरक्षित काम करने के हालात के लिए उपाय करने के लिए कोई मजबूत रास्ता नहीं बनाता है। सुरक्षा विवादों के लिए कोई स्वतंत्र अथॉरिटी नहीं है, और वर्कर्स को एक कमजोर इंस्पेक्शन सिस्टम पर निर्भर रहना पड़ता है। इससे नियमों के उल्लंघन की रिपोर्टिंग में रुकावट आती है, खासकर कॉन्ट्रैक्ट और माइग्रेंट वर्कर्स के बीच, जिन्हें बदले की कार्रवाई का डर रहता है। काम के ज्यादा घंटे और फ्लेक्सिबल वर्क शिफ्ट का मजबूत प्रावधान है। यह कोड काम के घंटों में काफी लोच देता है। हालांकि यह नाम के लिए 48 घंटे का वर्कवीक बनाए रखता है, लेकिन राज्य के ड्राफ्ट और नियम रोजाना 12 घंटे की शिफ्ट की इजाजत देते हैं। यह दशकों में मुश्किल से हासिल किए गए मजदूरों के अधिकारों को वापस लेना है, खासकर 20वीं सदी की शुरूआत से चले आ रहे आठ घंटे के काम के सिद्धांत को। कोई हैरानी नहीं कि इंफोसिस के चेयरमैन नारायण मूर्ति ने (शायद सरकार के कहने पर) हफ्ते में 70 घंटे काम करने की राय दी थी। सुब्रमण्यम तो और आगे बढ़कर हफ्ते में 90 घंटे काम करने की मांग करने लगे।

अनुसंधान के जरिए चिकित्सा विज्ञान इस नतीजे पर पहुंचा है कि हमारा शरीर लगातार 8 घंटे भी प्रोडक्टिव नहीं रह पाता, खास तौर पर इसे 'सर्कैडियन रिदम' कहते हैं, यानी हमारे रोज के बायोलॉजिकल साइकिल की वजह से। वैज्ञानिक आम तौर पर इस बात से सहमत हैं कि काम करने का सही समय लगभग 6 घंटे है, और सुबह के समय इस पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। साफ-सुथरा माहौल, पीने का पानी और ऐसी दूसरी सुविधाओं की कमी में मजदूरों के स्वस्थ रहने और अपनी पूरी क्षमता से काम करने की उम्मीद कम होती है। अब समय आ गया है कि मजदूरों की यूनियनें, सोशल एक्टिविस्ट, जागरूक नागरिक और राजनीतिक पार्टियां मजदूरों की स्वस्थ जिंदगी के हक के लिए खड़े हों और सरकार पर ओएसएच और डब्ल्यूसी कोड वापस लेने के लिए दबाव डालें।

लोक शिक्षण के लिए समर्पितः पन्नालाल सुराणा

-बाबा मायाराम

> लिंगराज भाई बताते हैं कि महाराष्ट्र में सामाजिक कामों की लम्बी परंपरा है। उन्होंने इस संदर्भ हाल ही समाजवादी दिवंगत जी.जी. पारिख को भी याद किया। जिन्होंने युसूफ मेहर अली केन्द्र के माध्यम से कई रचनात्मक काम किए। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में रचना और संघर्ष की महत्वपूर्ण परंपरा रही है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में सामाजिक कार्यकर्ताओं के जीवकोपार्जन के लिए सहयोग की भी परंपरा है

पन्नालाल सुराणा, सादगी, ईमानदारी, आदर्श की मिसाल थे। लिंगराज भाई ने बताया कि वे पूरे देश में घूम-घूमकर युवाओं को प्रशिक्षित करते रहते थे। इसके लिए लिखना और पढ़ना जीवनभर करते रहे। उन्होंने कुछ समय पत्रकारिता भी की और एक समाचार पत्र के संपादक भी थे। ऐसे लोगों से यह भी सीखा जा सकता है कि कार्यकर्ताओं का जीवन कैसा होना चाहिए। हाल ही में महाराष्ट्र के जाने-माने समाजवादी पन्नालाल सुराणा का निधन हो गया। वे 93 वर्ष के थे। वे एक ऐसे समर्पित व प्रतिबद्ध समाजवादी थे, जिन्होंने आदर्शवादी जीवन जिया। पूरे देश भर में घूम-घूमकर लोक शिक्षण करते रहे और कई किताबें भी लिखीं।

मुझे एक बार ही उन्हें सुनने का मौका मिला, जब हमारे कस्बे पिपरिया में आए थे। वहां एकलव्य संस्था के पुस्तकालय में एक छोटी गोष्ठी हुई थी, उसमें उनके विचार जानने को मिले। लेकिन मैं उनके बारे में कई लोगों से सुनता रहा हूं। पिछले कुछ महीनों से मैं ओडिशा के बरगढ़ शहर में हूं और यहां समता भवन में मेरा प्रवास है। यह समता भवन, प्रख्यात समाजवादी किशन पटनायक की याद में बना है। किशन पटनायक की पहल पर वर्ष 1995 में समाजवादी जन परिषद की स्थापना हुई थी, उससे भी पन्नालाल सुराणा जुड़े रहे हैं। वे राष्ट्र सेवा दल के भी पूर्व अध्यक्ष थे।

कल सामाजिक कार्यकर्ता लिंगराज भाई से पन्नालाल सुराणा के बारे में बात हो रही थी, तो उन्होंने बताया कि वे कई बार पन्नालाल सुराणा से मिले हैं। बैठकों और कार्यक्रम में साथ रहे हैं। उनके द्वारा लातूर भूकंप से पीड़ित बच्चों के लिए बनाए गए आपलां घर (अपना घर) में भी गए हैं। इस भूकंप में बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे और भारी तबाही हुई थी। सुराणा जी ने भूकंप पीड़ित बच्चों के लिए घर बनाया है, यहां बच्चों का शिक्षण व पालन-पोषण होता है।

उन्होंने बताया कि वे आजादी आंदोलन के समय के बहुत ही समर्पित समाजवादी थे। किशन पटनायक, सुरेन्द्र मोहन, भाई वैद्य सभी एक ही पीढ़ी के थे। इन्होंने आजादी आंदोलन से लेकर जीवनपर्यंत तक देश को बनाने, युवाओं का शिक्षण करने और देश भर घूम-घूम कर लोगों को जगाने का काम किया। जीवन भर विचारों के लिए समर्पित रहे। वे बताते हैं कि किशन पटनायक के साथ वे कई बार महाराष्ट्र गए हैं और भाई वैद्य, जी.जी.पारिख, भाई वैद्य से मिलते रहे हैं।

लिंगराज भाई बताते हैं कि महाराष्ट्र में सामाजिक कामों की लम्बी परंपरा है। उन्होंने इस संदर्भ हाल ही समाजवादी दिवंगत जी.जी. पारिख को भी याद किया। जिन्होंने युसूफ मेहर अली केन्द्र के माध्यम से कई रचनात्मक काम किए। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में रचना और संघर्ष की महत्वपूर्ण परंपरा रही है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में सामाजिक कार्यकर्ताओं के जीवकोपार्जन के लिए सहयोग की भी परंपरा है। ऐसे कार्यकर्ता, जो समाज कार्य में अपना समय लगाते हैं, यानी पूरावक्ती कार्यकर्ता होते हैं, उन्हें सहयोग देने में यह राज्य अग्रणी रहा है। वहां ऐसी कई संस्थाएं व समूह हैं, जो ऐसा सहयोग देते रहे हैं। मुझे किशन पटनायक, सुनील भाई जैसे समाजवादी विचारों के लिए समर्पित विचारकों से मिलने, सुनने और उनके साथ समय गुजारने का मौका मिला है। जहां एक तरफ ये लोग देश के सामयिक मुद्दों, ज्वलंत सवालों से जूझते रहते थे, संघर्षरत थे, आंदोलनरत रहे हैं, सोचने का वैकल्पिक नजरिया दिया, वहीं दूसरी तरफ इन्होंने एक सादगीपूर्ण और आदर्शवादी जीवन की मिसाल भी पेश की है। पन्नालाल सुराणा, सादगी, ईमानदारी, आदर्श की मिसाल थे। लिंगराज भाई ने बताया कि वे पूरे देश में घूम-घूमकर युवाओं को प्रशिक्षित करते रहते थे। इसके लिए लिखना और पढ़ना जीवनभर करते रहे। उन्होंने कुछ समय पत्रकारिता भी की और एक समाचार पत्र के संपादक भी थे।

ऐसे लोगों से यह भी सीखा जा सकता है कि कार्यकर्ताओं का जीवन कैसा होना चाहिए। इस संदर्भ में किशन पटनायक की याद करना उचित होगा। उनका कोई घर नहीं था, न कोई जमीन, न संपत्ति और न ही कोई बैंक बैलेंस। न उन्होंने लोकसभा सदस्य के नाते पेंशन ली। 60 वर्ष की आयु के बाद रेलवे का पास लिया था। उन्होंने अपनी जरूरतें बहुत ही सीमित कर ली थी। लेकिन सामाजिक बदलाव की चाह में रात-दिन लगे रहते थे। किशन जी से मेरा संपर्क 80 के दशक में हुआ। मुझे लगातार उनसे मिलने, बात करने और साथ में यात्रा करने का मौका मिलता रहा। वे मितभाषी थे और समय के बहुत पाबंद। अक्सर बैठकों में पीछे बैठते थे और सबको चुपचाप सुनते रहते थे और अंत में बोलते थे। इसी प्रकार मैं समाजवादी विचारक सुनील भाई की याद करना चाहूंगा, जिनके साथ मुझे लम्बे समय तक काम करने का मौका मिला। उनके विचार व जीवनशैली में कोई फांक नहीं थी। यहां मैं उनके रचनात्मक व उत्पादक कामों की चर्चा करना चाहूंगा। उन्होंने एक आदिवासी गांव में बहुत ही साधारण जीवनशैली में जीवन व्यतीत किया। एक साधारण ग्रामीण की तरह जीवन जिया।

सुबह-शाम उनके घर पर गांव के कई साथी जुटते थे। कई बार मैंने सुनील भाई को गांव के लोगों के साथ मिलकर खाना खाते देखा था। जब लम्बे आंदोलन चलते थे तो गांव के लोग घर से मक्के की रोटी, महुआ का भुरका, भुना चून (आटा), मिर्ची की चटनी और कांदा (प्याज) लाते थे। सुनील भाई गांव वालों के साथ ही खाना खाते थे, चाहे वह दो-दिन का बासा भी हो। उन्होंने एक सादगी व आदर्शपूर्ण जीवन जिया। मध्यप्रदेश के एक और समाजवादी ओमप्रकाश रावल का जिक्र करना उचित रहेगा, जिन्होंने जीवन भर सिद्धांतों व विचारों से समझौता नहीं किया। मैंने उनके साथ लम्बा समय गुजारा है। मुझे दो साल तक उनके घर में ही रहने का मौका मिला था। वे वर्तमान की तामझाम व जीवनशैली के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने अपने एक लेख में लिखा है कि न्यूनतम आवश्यकताओं पर आधारित सतत चलने वाली विकास की पद्धति जो विकेंद्रित व्यवस्था एवं पर्यावरण के संरक्षण पर ही संभव है, यदि नहीं अपनाई गई तो मनुष्य जाति जिंदा नहीं रह सकेगी। शीघ्र ही नई पीढ़ी तथाकथित विकास के लंबरदारों से सवाल करेगी कि तुम्हें ऐशो-आराम के लिए भावी पीढ़ी की संपत्ति को लूट लेने और नष्ट-भ्रष्ट कर डालने का क्या हक है? इस प्रश्न को समझ कर विकास की ऐसी वैकल्पिक नीति चलानी होगी जो हमेशा-हमेशा के लिए कायम रहे तथा जो पर्यावरण की भी रक्षा करे और सामाजिक न्याय भी स्थापित करें। कुल मिलाकर, देश में एक आदर्शवादी समाजवादी परंपरा रही है। इसमें कई और नाम जोड़े जा सकते हैं। इन सब लोगों का जीवन सिद्धांत व मूल्यों से संचालित रहा है, जिसमें पन्नालाल सुराणाजी भी शामिल थे। यह ऐसी पीढ़ी थी, जिन्होंने दिया ज्यादा और लिया बहुत कम। ऐसे दौर में जब समाज में जीवन मूल्य इतने गिर गए हों, कोई बिना लोभ-लालच के सार्वजनिक व राजनैतिक काम न करता हो, पन्नालाल सुराणा जैसे लोगों को देखकर किसी भी देशप्रेमी का दिल उछल सकता है। उन्होंने बच्चों के लिए स्कूल, रचनात्मक लेखन, लोक शिक्षण जैसे रचना के काम किए हैं, जो प्रेरणादायी हैं, और सदैव रहेंगे। क्या हम उनके जीवन और विचार से कुछ सीख सकते हैं?

जयंती

बालाजी बाजीराव

जन्म-8 दिसम्बर, 1721 ई.; मृत्यु-23 जून, 1761 ई., बाजीराव प्रथम का ज्येष्ठ पुत्र था। वह पिता की मृत्यु के बाद पेशवा बना था। बालाजी विश्वनाथ के समय में ही पेशवा का पद पैतृक बन गया था। 1750 ई. हुई 'संगोली संधि' के बाद पेशवा के हाथ में सारे अधिकार सुरक्षित हो गये। अब 'छत्रपति' (राजा का पद) दिखावे भर का रह गया था। बालाजी बाजीराव ने मराठा शक्ति का उत्तर तथा दक्षिण भारत, दोनों ओर विस्तार किया। इस प्रकार उसके समय कटक से अटक तक मराठा दुदुम्भी बजने लगी। बालाजी ने मालवा तथा बुन्देलखण्ड में मराठों के अधिकार को कायम रखते हुए तंजौर प्रदेश को भी जीता। बालाजी बाजीराव ने हैदराबाद के निजाम को एक युद्ध में पराजित कर 1752 ई. में 'भलकी की संधि' की, जिसके तहत निजाम ने बरार का आधा भाग मराठों को दे दिया। बंगाल पर किये गये आक्रमण के परिणामस्वरूप अलीवर्दी खाँ को बाध्य होकर उड़ीसा त्यागना पड़ा और बंगाल तथा बिहार से चौथ के रूप में 12 लाख रुपया वार्षिक देना स्वीकार करना पड़ा। 1760 ई. में उदगिरि के युद्ध में निजाम ने करारी हार खाई। मराठों ने 60 लाख रुपये वार्षिक कर का प्रदेश, जिसमें अहमदनगर, दौलताबाद, बुरहानपुर तथा बीजापुर नगर सम्मिलित थे, प्राप्त कर लिया।

पुण्यतिथि

भाई परमानन्द

जन्म-4 नवम्बर, 1876-मृत्यु: 8 दिसम्बर, 1947, भारत के स्वतंत्रता संग्राम के महान् क्रांतिकारी थे। वे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी और एक महापुरुष थे। परमानन्द जी जहाँ आर्य समाज और वैदिक धर्म के सच्चे प्रचारक थे, वहीं दूसरी ओर एक इतिहासकार, साहित्यकार और प्रसिद्ध शिक्षाविद के रूप में भी उन्होंने ख्याति अर्जित की थी। भारत की स्वतंत्रता में मुख्य भूमिका निभाने वाले सरदार भगत सिंह, सुखदेव, रामप्रसाद बिस्मिल और करतार सिंह जैसे ना जाने कितने राष्ट्रभक्त युवकों ने इनसे प्रेरणा पाई थी।

कल मिलेंगे

शादी के लिए लड़के वाले लड़की वालों के घर गए
लड़के वाले (लड़की से)-बेटी अपने रहन-सहन के बारें में बताओ?
लड़की का पिता-रहन तो इसका बहुत अच्छा है,
पर सहन ये किसी के बाप का भी नहीं करती...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

बेनिन में तख्तापलट की कोशिश नाकाम, गृह मंत्री का ऐलान, राष्ट्रपति टैलोन सुरक्षित

(एजेन्सी)।
पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन में तख्तापलट की कोशिश को नाकाम कर दिया गया है। देश के गृह मंत्री अलासाने सेडू ने नेशनल टीवी पर आकर इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह, 7 दिसंबर 2025 को, सैनिकों के एक छोटे समूह ने सरकार और उसकी संस्थाओं को अस्थिर करने के उद्देश्य से विद्रोह शुरू किया था। गृह मंत्री ने कहा कि बेनिन के सशस्त्र बलों और उनके नेतृत्व ने अपनी शपथ के प्रति सच्चे रहते हुए, गणतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई। उन्होंने कहा, 'उनकी प्रतिक्रिया ने उन्हें स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखने और प्रयास को विफल करने में मदद की।' इससे पहले, लेफ्टिनेंट-कर्नल पास्कल टिगरी के नेतृत्व वाले सैनिकों के एक समूह ने एक प्रसारण में राष्ट्रपति पैट्रिस टैलोन को हटाए जाने और संविधान को निलंबित करने की घोषणा की थी। हालांकि, एक राष्ट्रपति सलाहकार ने बाद में बीबीसी को बताया कि राष्ट्रपति सुरक्षित हैं और फ्रांसीसी दूतावास में हैं।

राजधानी कोटोनू में राष्ट्रपति आवास के पास गोलीबारी की सूचना मिली थी। चश्मदीदों ने बताया कि उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी, और कुछ पत्रकारों को बंधक भी बना लिया गया था। शहर के ऊपर हेलीकॉप्टर उड़ते देखे गए और कई सड़कों पर भारी सैन्य उपस्थिति के कारण रास्ते बंद थे। फ्रांसीसी, रूसी और अमेरिकी दूतावासों ने अपने नागरिकों को सुरक्षा के लिए घर के अंदर रहने या प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी। तख्तापलट की कोशिश करने वाले सैनिकों ने राष्ट्रपति टैलोन के देश के प्रबंधन की आलोचना करके अपने कार्यों को सही ठहराया। उन्होंने एक बयान में कहा कि सेना बेनिन के लोगों को 'एक सच्चे नए युग की उम्मीद' देने के लिए प्रतिबद्ध है।

क्षेत्रीय अस्थिरताः बेनिन, जिसे अफ्रीका के अधिक स्थिर लोकतंत्रों में से एक माना जाता था, में यह कोशिश पास के गिनी-बिसाऊ में हुए तख्तापलट के ठीक एक हफ्ते बाद हुई है। हाल के सालों में, पश्चिम अफ्रीका में बुर्किना फासो, गिनी, माली और नाइजर में भी तख्तापलट हुए हैं, जिससे क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

अंतर्राष्ट्रीय निंदाः इकोवास और अफ्रीकी संघ ने इस तख्तापलट की कोशिश की कड़ी निंदा की है। अव ने कहा कि यह "किसी भी असंवैधानिक सरकारी बदलाव के प्रति शून्य सहनशीलता" के रुख को दोहराता है। 67 वर्षीय राष्ट्रपति टैलोन, जो एक बिजनेसमैन हैं और कॉटन के राजा के नाम से जाने जाते हैं, को पश्चिम का करीबी सहयोगी माना जाता है।

आवास ऋण नौ लाख करोड़ रुपये के पार, ऋण वृद्धि 14 प्रतिशत रहने की उम्मीद: एसबीआई

(एजेन्सी)।
भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा कि बैंक का आवास ऋण पोर्टफोलियो पिछले महीने नौ लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है और उन्हें भरोसा है कि खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई (आरएएम) क्षेत्र में जारी तेजी से चालू वित्त वर्ष में कुल ऋण वृद्धि 14 प्रतिशत रहेगी।

आरएएम खंड सितंबर में ही 25 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है। आर्थिक वृद्धि में सुधार को देखते हुए एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए ऋण वृद्धि लक्ष्य को पहले के 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया है। पीटीआई-से साक्षात्कार में शेट्टी ने कहा, हमने ऋण वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है। अब यह 12 प्रतिशत से 14 प्रतिशत है। हमें मजबूत ऋण वृद्धि दिख रही है, खासकर आरएएम खंड में। एमएसएमई क्षेत्र में 17-18 प्रतिशत और कृषि तथा खुदरा में करीब 14 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि स्वर्ण ऋण में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है, जबकि असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण में दो अंकों की वृद्धि होगी। कुछ समय से सुस्त चल रहा कॉर्पोरेट ऋण खंड भी दूसरी तिमाही में पुनः गति पकड़ता दिखा और 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

शेट्टी ने कहा, कॉर्पोरेट ऋण के लिए हमारा अनुमान निचले दो अंकों में है। इस तरह कुल मिलाकर 12-14 प्रतिशत ऋण वृद्धि हासिल करना पूरी तरह संभव है। रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत ब्याज दर में 25 आधार अंक की और कटौती से ऋण सस्ते होंगे और नई मांग को बल मिलेगा।

जेलेंस्की रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने वाले अमेरिकी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर के लिए तैयार नहीं: ट्रंप

(एजेन्सी)।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की उनके देश द्वारा तैयार किए गए उस शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार नहीं हैं जिसका उद्देश्य रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करना है। रूस और यूक्रेन के बीच मतभेदों को कम करने के उद्देश्य से शनिवार को अमेरिकी और यूक्रेनी वातार्कारों ने तीन दिन की बातचीत पूरी की लेकिन रविवार रात पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने संकेत दिया कि वार्ता को आगे बढ़ने से रोकने वाले जेलेंस्की ही हैं।

ट्रंप ने कहा, मुझे थोड़ी निराशा है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अभी तक इस प्रस्ताव को नहीं पढ़ा है, कुछ घंटे पहले तक यही स्थिति थी। उनकी टीम को यह पसंद है, लेकिन उन्होंने इसे नहीं पढ़ा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि रूस को इससे कोई दिक्कत नहीं है लेकिन यह पक्का नहीं कि जेलेंस्की को यह ठीक लगे। उनकी टीम को यह पसंद है लेकिन वह तैयार नहीं हैं।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की योजना को सार्वजनिक रूप से मंजूरी नहीं दी है। वास्तव में पिछले सप्ताह पुतिन ने कहा था कि ट्रंप के प्रस्ताव के कई पहलू अव्यावहारिक हैं। हालांकि, प्रस्ताव का मूल मसौदा मॉस्को के पक्ष में अधिक झुका हुआ था। जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि उन्होंने उन अमेरिकी अधिकारियों के साथ फोन पर महत्वपूर्ण बातचीत की है, जो फ्लोरिडा में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें वार्ता की प्रगति के बारे में फोन पर जानकारी दी गई। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा, यूक्रेन अमेरिका के साथ ईमानदारी से काम जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वास्तविक शांति हासिल की जा सके।

सोनारिका भदौरिया ने बेटी को दिया जन्म

(एजेन्सी)। 'देवों के देव महादेव' में पार्वती का किरदार निभाने वाली सोनारिका भदौरिया लंबे समय से अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी को एन्जॉय करती नजर आ रही थी। लगातार एक्ट्रेस अपने बेबी बंप का फोटों इंस्टाग्राम पर शेयर करती दिख रही है। इस बीच एक्ट्रेस ने गुड न्यूज सोशल मीडिया पर शेयर की है। सोनारिका ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। इसकी खबर उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। एक्ट्रेस ने अनाउंस किया कि वह और विकास बेबी गर्ल के पैरेंट्स बन गए हैं। इस दौरान फैंस और सेलेब्स दोनों ही बधाई देने में लगे हैं। इंस्टाग्राम पर सोनारिका ने एक फोटो शेयर की है जिसमें उनके और विकास के हाथों में बेटी के पैर हैं। फोटो शेयर कर उन्होंने लिखा, 5.12.2025, हमारा प्यार और बड़ा आशीर्वाद। वह यहां है औ? हमारी दुनिया भी बन गई हैं। एक्ट्रेस सोनारिका और विकास ने सितंबर 2025 में अनाउंस किया कि दोनों जल्द पैरेंट्स बनने वाले हैं। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने बेबीमून की फोटोज भी शेयर की थी, जिसमें वह बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रही थीं। फोटोज को शेयर कर उन्होंने लिखा था हमारा अब तक का सबसे बड़ा एडवेंचर। पिछले साल 2024 में सोनारिका ने विकास पाराशर से राजस्थान में शादी की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विकास, सोनारिका के भाई के दोस्त थे और उनसे वह जिम में मिली थीं। सोनारिका ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह पहले से श्योर थी कि पार्टनर के रुप में उन्हें एक्टर नहीं चाहिए था। एक्ट्रेस का कहना था कि इंडस्ट्री के बाहर से पार्टनर के होने से बैलेंस बना रहता है। विकास उन्हें बहुत सपोर्ट करता है। सोनारिका भदौरिया ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ की शुरूआत साल 2011 में टीवी शो 'तुम देना साथ मेरा' से टीवी डेब्यू किया। लेकिल वह 'देवों के देव महादेव' सीरियल में माता पार्वती के रोल से घर-घर में फेमस हुईं। एक्ट्रेस के चेहरे की मासूमियत और सॉफ्ट हार्ट ने दर्शकों को देवी पार्वती के किरदार में तुरंत अपना दीवाना बना दिया।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर सीरीज 2-1 से जीती

(एजेन्सी)।
भारत ने विशाखापट्टनम में खेले गए तीसरे वनडे में दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। यह जीत इसलिए भी महत्त्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि बता दें कि इससे पहले टेस्ट सीरीज में भारत को 0-2 से हार झेलनी पड़ी थी। मौजूद जानकारी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 271 रन बनाए, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने लक्ष्य का पीछा बेहद संतुलन और बिना किसी घबराहट के किया। यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा और विराट कोहली ने मिलकर मैच को पूरी तरह नियंत्रण में रखा और जीत को एक औपचारिकता भर बना दिया।

यशस्वी ने अपने वनडे करियर का पहला शतक जड़ते हुए 116 रन की नाबाद पारी खेली। गौरतलब है कि यह सिर्फ उनका चौथा एकदिवसीय मुकाबला था और उन्होंने 111 गेंदों में शतक पूरा करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी परिपक्वता का परिचय दिया। इस पारी के साथ वह उन चुनिंदा भारतीय बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में शतक लगाए हैं। उनके साथ ओपनिंग में उतरे रोहित शर्मा ने 75 रन बनाए और इसी के साथ वह भारत के चौथे ऐसे बल्लेबाज बन गए जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20,000 से अधिक रन पूरे किए। यह उपलब्धि भी भारतीय कप्तान के करियर को एक खास मुकाम देती है।

दूसरी ओर कोहली ने अंत तक टिके रहते हुए 65 रन की नाबाद तेजतर्रार पारी खेली और अंतिम क्षणों में चौका लगाकर जीत तय कर दी। बता दें कि पूरे वनडे सीरीज में उन्होंने 302 रन बनाए और 151 के औसत के साथ अपनी फॉर्म और फिटनेस दोनों का मजबूत संकेत दिया। उनके शॉट चयन, विकेट के बीच दौड़, और अनुभव ने भारतीय पारी को उस समय स्थिरता दी जब दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज विकेट की तलाश में लगातार दबाव बना रहे थे।

दिन के पहले हिस्से में प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव ने संतुलित गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका की रनगति पर ब्रेक लगाया और मध्य के ओवरों में महत्वपूर्ण विकेट निकालकर भारत की वापसी सुनिश्चित की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

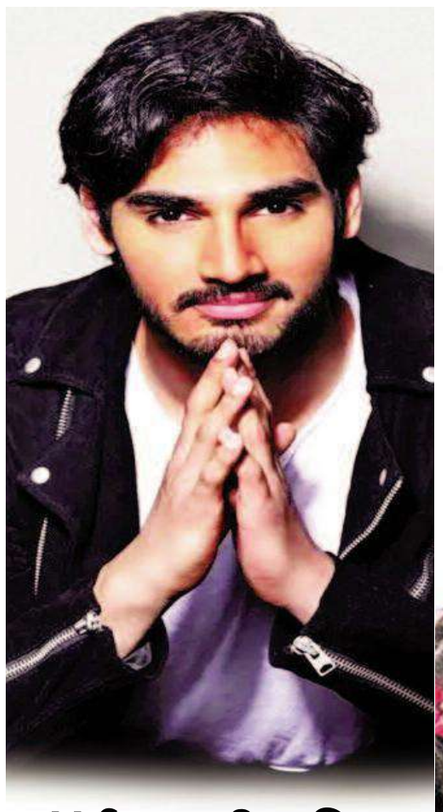

बॉर्डर 2 की शूटिंग खत्म होने पर इमोशनल हुए अहान शेट्टी

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अभिनीत बॉर्डर 2 अगले साल आने वाली बॉलीवुड की बड़ी फिल्मों में से एक है। हाल ही में इस फिल्म से पहले वरुण धवन और फिर दिलजीत दोसांझ का लुक सामने आया था। फिल्म की शूटिंग लगातार जारी है, लेकिन कुछ एक्टर्स ने अपना शेड्यूल पूरा कर लिया है। इस फेहरिस्त में अब अहान शेट्टी का नाम भी शामिल हो गया है।

अहान ने पूरी की अपने हिस्से की शूटिंग

अभिनेता अहान शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म बॉर्डर 2 के सेट से कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों के साथ अहान ने एक इमोशनल नोट भी लिखा, बॉर्डर 2 की शूटिंग खत्म हो गई। आज सेट से निकलते वक्त दिल बहुत भारी है। इस फिल्म ने मुझे बहुत चुनौती दी और ऐसे यादगार पल दिए जो मैं कभी नहीं भूलूंगा। मैं अपनी फौज, शानदार कलाकारों और पूरी टीम का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं– ये टीम अब मेरा परिवार बन गई है।

बॉर्डर 2 को लेकर अहान की राय

अहान शेट्टी ने आगे लिखा, ये फिल्म सिर्फ एक फिल्म नहीं है। इसमें असली बहादुरी, सच्ची देशभक्ति और सच्ची कहानियां हैं। शुक्रिया बॉर्डर 2– ये यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी। जय हिंद।

फिल्म बॉर्डर 2 के बारे में

बॉर्डर 2 को अनुराग सिंह निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, और अहान शेट्टी के अलावा मेधा राणा, मोना सिंह, और सोनम बाजवा भी हैं। इसे भूषण कुमार, जेपी दत्ता, और निधि दत्ता ने मिलकर बनाया है। यह फिल्म 1997 की मशहूर फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है। पहली फिल्म बॉर्डर 1971 के लोंगेवाला युद्ध पर थी, जबकि बॉर्डर 2 1999 के कारगिल युद्ध की सच्ची घटनाओं पर आधारित है।

विजय देवरकोंडा से शादी की चर्चाओं पर रश्मिका मंदाना ने दी प्रतिक्रिया

पिछले कुछ वक्त से रश्मिका मंदाना काम से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। ये चर्चाएं रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी को लेकर हो रही हैं। लगातार ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि रश्मिका और विजय अगले साल यानी 2026 की शुरुआत में शादी के बंधन में बंध जाएंगे। हालांकि, रश्मिका या विजय ने अब तक इन खबरों की पुष्टि नहीं की है। अब रश्मिका ने अपनी शादी की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, एक्ट्रेस ने पूरी तरह से कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है।

रश्मिका ने बताया कब करेंगी कंफर्म

बातचीत के दौरान रश्मिका ने अपनी आगामी फिल्मों और वर्कफ्रंट के साथ-साथ अपनी शादी की चर्चाओं पर रिएक्ट किया। इस दौरान जब रश्मिका से पूछा गया कि क्या वह विजय से अपनी कथित शादी की पुष्टि या खंडन करना चाहती हैं? तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं शादी की पुष्टि या खंडन नहीं करना चाहती। मैं बस इतना कहूंगी कि जब इस बारे में बात करने का समय आएगा, तब हम करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने फैंस या मीडिया के साथ कुछ भी साझा करने से पहले थोड़ा समय लेना चाहती हैं। रश्मिका की इस प्रतिक्रिया के बाद दोनों की शादी को लेकर अटकलें और भी तेज हो गई हैं।

अक्सर साथ नजर आते हैं विजय-रश्मिका

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने साथ में 'गीता गोविंदम' और 'डियर कॉमरेड' जैसी फिल्मों में काम किया है। इसी दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए। इसके बाद से ही दोनों के बीच अफेयर की चर्चाएं आती रहती हैं। दोनों अक्सर कई मौकों पर साथ भी देखा जाता है। दोनों साथ में ही छुट्टियां मनाने भी जाते हैं। हालांकि, इसके बावजूद दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया है।

फरवरी में शादी करने की हैं चर्चाएं

कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा फरवरी में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। दोनों की शादी उदयपुर में होगी। रिपोर्ट्स में यहां तक कहा गया कि रश्मिका शादी की तैयारियों के लिए उदयपुर में इंतजाम तक देखने जा चुकी हैं। रश्मिका और विजय की सगाई की खबरें अक्तूबर में काफी चर्चा में रही थीं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इन्हें स्वीकार या खारिज नहीं किया और न ही कोई फोटोज सामने आई। लेकिन बाद में विजय की टीम ने पुष्टि की कि दोनों ने सगाई कर ली है।

कलाकार को जीवन भर के संघर्ष के बाद सिर्फ मरने के बाद ही सम्मान मिलता है

साल 2024 में दिलजीत दोसांझ की फिल्म चमकीला आई थी, जोकि पंजाबी लोकगायक अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को कई कैटगिरी में नॉमिननेट किया गया, लेकिन फिल्म एक भी अवॉर्ड अपने नाम नहीं कर पाई। अब दिलजीत ने नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर एक वीडियो रिलीज किया है, जिसमें उन्होंने फिल्म और एक आर्टिस्ट के संघर्ष के बारे में बात की है। उनका कहना है कि जब तक कलाकार जिंदा होता है, तब तक उसे परेशान किया जाता है, लेकिन मरने के बाद उन्हें सम्मान मिलता है।

दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है और बताया कि एक कलाकार को सफल बनने के लिए क्या कुछ झेलना पड़ता है। वे वीडियो में कहते हैं, एक कलाकार को अपनी जिंदगी में हर तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और जब तक वो मर नहीं जाता, तब तक लोग उसे महान नहीं कहते हैं और अपना प्यार भी नहीं देते। जब वे मर जाते हैं या चमकीला की तरह मार दिए जाते हैं, तभी उन कलाकारों को महान कहा जाता है या लोगों का प्यार मिलता है। उसके बाद ही उनके काम की सराहना की जाती है क्योंकि एक तो वो जिंदा नहीं है, दूसरा आपका कॉम्पीटिशन नहीं है, और तीसरा मरे हुए इंसान को सम्मान देना इंसानों का स्वभाव है।

उन्होंने आगे कहा कि ये दुनिया एक फिल्मी सेट की तरह है और हर कोई अपना किरदार निभा रहा है। जब तक कलाकार जिंदा है, उसे कोई नहीं पूछता, उसे मारने की धमकी दी जाती है, परेशान किया जाता है क्योंकि जो वह कर रहे हैं, वो समाज को बर्दाश्त नहीं हो पाता, और मरने के बाद कहते हैं, वाह, क्या गाना था। इसके अलावा, उन्होंने अपनी फिल्म चमकीला को लेकर भी खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि दिलजीत यहां वेलिडेशन के लिए नहीं आया है, बल्कि चमकीला के लिए आया है। अपने फिल्म से जुड़े अनुभवों पर सिंगर ने कहा कि फिल्म में एक शॉट है। यह शॉट मैंने इसलिए किया क्योंकि कोई दूसरा कलाकार इसे समय पर नहीं कर सकता था। मुझे शॉट देखकर कहा कि चमकीला मुझे कहीं से देख रहा है और वो सीन देखकर मैं भावुक हो उठा। मेरे लिए ये करना आसान नहीं था।

बॉलीवुड में काम न मिलने पर शहनाज गिल ने उठाया यह कदम

मुझे शो पीस की तरह इस्तेमाल किया गया

एक्ट्रेस और सिंगर शहनाज गिल बिग बॉस 19 में आने के बाद काफी मशहूर हुईं। पूरे देश मे मशहूर होने के बाद शहनाज गिल फिल्म किसी का भाई किसी की जान और थैंक यू फॉर कमिंग में नजर आईं। हालांकि उन्हें उतनी कामयाबी नहीं मिली जितनी उम्मीद की जा रही थी। ऐसे में उन्होंने पंजाबी फिल्म इक कुड़ी की निर्माता बनने का सोचा। अब उन्होंने हिंदी और पंजाबी सिनेमा के बारे में कई बातें कही हैं।

शहनाज ने खुद पर लगाया पैसा

शहनाज गिल हाल ही में बिग बॉस 19 में नजर आईं। उन्होंने सलमान खान से कहा मेरे ऊपर कोई पैसा नहीं लगा रहा, तो मैंने खुद पर लगा दिया। अब उन्होंने फरीदून शहरयार से बातचीत में बताया है कि उन्होंने अपने प्रोजेक्ट में पैसा क्यों लगाया है? बातचीत में शहनाज गिल ने कहा मुझे अच्छी स्टोरीज नहीं मिल रही हैं। मुझे फिल्मों में शो पीस की तरह इस्तेमाल किया गया। मुझे एक ही तरह की कहानियां मिल रही थीं, जिनमें कुछ भी नया नहीं था और कोई अच्छा संदेश भी नहीं था। ऐसे में मैंने सोचा कि खुद पर पैसा लगाना सही रहेगा।

शहनाज ने की पंजाबी सिनेमा की तारीफ

शहनाज गिल ने आगे बताया कि पिछले पांच वर्षों से उन्हें पंजाबी फिल्मों के ऑफर आ रहे थे। हालांकि वह अच्छी फिल्म के इंतजार में थीं। कुछ ऐसा जिससे पंजाबी फिल्म में उनकी वापसी अच्छी तरह से हो सके। पंजाबी फिल्मों में काम करने पर शहनाज ने कहा कई लोग मुझसे कहते हैं कि मैंने पंजाबी फिल्मों में वक्त बर्बाद

शहनाज गिल का काम

शहनाज गिल को आखिरी बार पंजाबी फिल्म इक कुड़ी में देखा गया। वह इस फिल्म की निर्माता भी हैं। इसके निर्देशक अमरजीत सिंह सरोन हैं। बॉलीवुड में वह आखिरी बार राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आईं। इसमें उन्होंने सजना वे सजना गाने पर शानदार डांस किया।

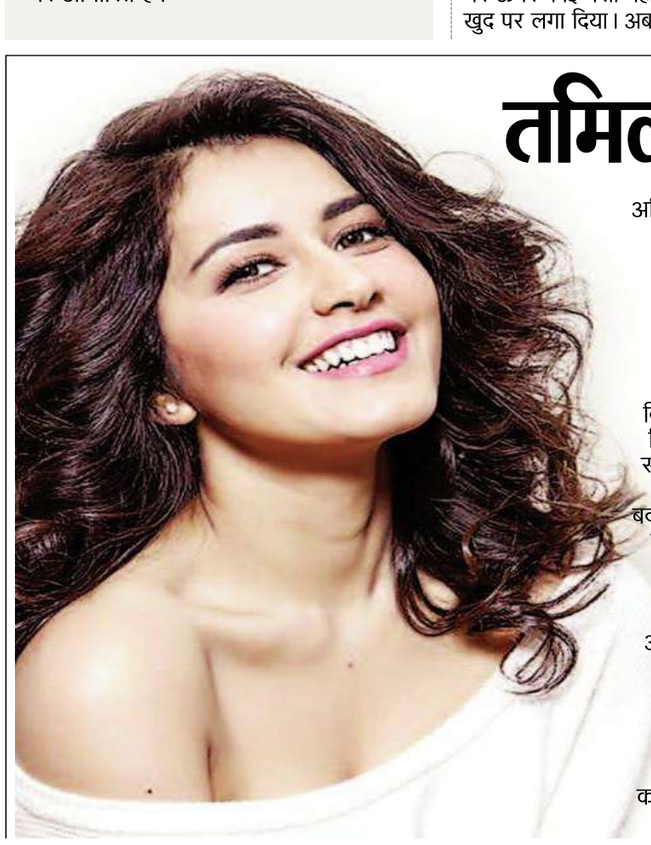

तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है

अभिनेत्री राशी खन्ना इन दिनों फिल्म '120 बहादुर' में नजर आ रही हैं। इसी दौरान उन्होंने खास बातचीत में अपने करियर और निजी जिंदगी से जुड़ी कई बातों पर खुलकर चर्चा की।

क्या आपको कभी लगा कि इंडस्ट्री में आपको टाइपकास्ट किया जा रहा है?

जब मैं नई-नई आई थी तो मुझे लगता था कि शायद मुझे कमर्शियल फिल्मों में टाइपकास्ट कर दिया जाएगा। मुझे लगा कि मुझे सिर्फ ऐसे ही रोल मिलेंगे। कमर्शियल फिल्में मुझे पसंद हैं, लेकिन मैं स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर्स करना चाहती थी। फिर थोली प्रेमा (2018) रिलीज हुई और उसने मेरी ट्रैजेक्टरी बदल दी। उसके बाद फर्जी आई और लोगों ने पहली बार मुझे डी-ग्लैम और अलग रोल में देखा। हिंदी में मुझे बेहतर रोल मिलने लगे और अब तक मुझे हिंदी इंडस्ट्री में टाइपकास्ट नहीं किया गया है। अगर कभी ऐसा हुआ तो मैं खुद कहूंगी कि मैं ऑडिशन देने के लिए तैयार हूं। मैं कोशिश करूंगी कि खुद स्टीरियोटाइप को तोड़ सकूं।

तमिल, तेलुगु और हिंदी इंडस्ट्री में क्या खास या अलग लगा?

तीनों इंडस्ट्रीज में पैशन एक जैसा है। सब अच्छी फिल्में बनाना चाहते हैं। फर्क सिर्फ भाषा और कल्चर का है। तमिल इंडस्ट्री में बहुत डिसिप्लिन है। तेलुगु इंडस्ट्री में मुझे सबसे ज्यादा सपोर्ट मिला क्योंकि वहां ऑडियंस आपके ऊपर विश्वास करती है। हिंदी इंडस्ट्री में ओपननेस है और एक्सपेरिमेंट की आजादी है। तीनों इंडस्ट्रीज ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मुझे ग्राउंडेड रखा है।

कमर्शियल और कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा का बैलेंस कैसे रखती हैं?

बैलेंस उतना मुश्किल नहीं है जितना लोग सोचते हैं। इसके लिए आपको खुद ओपन रहना पड़ता है। मैं मेकर्स को खुद बोलती हूँ कि मुझे ऑडिशन करने दें, ताकि मुझे कंटेंट वाली फिल्में भी मिलें। लेकिन मैं कमर्शियल सिनेमा की पकड़ भी नहीं छोड़ती क्योंकि मुझे दोनों पसंद हैं। ये बैलेंस आपको खुद ही बनाए रखना पड़ता है।

क्या कोई ऐसा ड्रीम रोल है जिसे निभाने की आपकी बहुत इच्छा है, लेकिन अभी तक मौका नहीं मिला?

मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत ही की है। मेरे कई ड्रीम रोल्स हैं। मुझे एक्शन फिल्म करनी है, पीरियड फिल्म करनी है और अगर दोनों साथ मिल जाएं तो बहुत अच्छा होगा। मुझे हिंदी में रोमैंटिक कॉमेडी और साइकोलॉजिकल थ्रिलर भी करना है।

आपकी पढ़ाई आपकी एक्टिंग या स्क्रिप्ट एनालिसिस के तरीकों को प्रभावित करती है?

मेरी पढ़ाई ने मेरी एक्टिंग में बहुत मदद की है। मैं हर किरदार को केस स्टडी की तरह पढ़ती हूं। मैं उसका पास्ट, फियर्स और कोपिंग मैकेनिज्म खोजती हूं। मैं सिर्फ ये नहीं देखती कि किरदार क्या बोल रहा है। मैं समझने की कोशिश करती हूं कि वो ऐसा क्यों बोल रहा है। इंग्लिश ऑनर्स ने मुझे सही सवाल पूछना सिखाया और यही ट्रेनिंग फिल्मों में काम आती है। मैं अपने किरदारों को कभी जज नहीं करती। मैं उन्हें समझती हूं।

आने वाले कुछ वर्षों में आप अपने करियर को किस दिशा में देखती हैं?

पहले मैं अपने करियर के बारे में बहुत नहीं सोचती थी। मैं बस मेहनत करती थी। लेकिन अब मैं कॉन्शस डिसीजन लेती हूं। आने वाले समय में मैं अपने काम में मेच्योरिटी और डेप्थ लाना चाहती हूं। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूँ जो लेयर्ड, फ्लॉड और कॉम्प्लेक्स हों। मेरा लक्ष्य है कि मेरा कलाकार हमेशा ज़िंदा रहे।

फर्जी 2' में क्या नया एक्सप्लोर कर रही हैं?

अभी तक मुझे स्क्रिप्ट हाथ में नहीं मिली है। इसलिए सच बताऊं तो मुझे नहीं पता कि मेरा किरदार किस दिशा में जा रहा है। जैसे ही स्क्रिप्ट मिलेगी, मैं डायरेक्टर्स के साथ बैठकर समझूंगी कि आगे कैसे बढ़ना है।

तलाखों में एक' में बंगाली किरदार की तैयारी कैसे की?

इस फिल्म के डायरेक्टर बंगाली हैं। फिल्म पूरी बंगाली में नहीं है, लेकिन कुछ लाइन्स बंगाली में हैं। उन्होंने मुझे समझाया कि बंगाली लड़कियाँ कैसी होती हैं और उनकी सोच कितनी इंडिपेंडेंट होती है। उस इंडिपेंडेंस को मेरे किरदार में दिखाया गया है। उनके पहनावे से लेकर थॉट प्रोसेस तक सब पर काम किया गया। मुझे लगता है कि यह फिल्म मेरे करियर में अहम साबित होगी।

'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

यह पहली फिल्म थी जिसे मैंने स्क्रिप्ट पढ़े बिना साइन किया। मेरा सपना था कि मैं पवन कल्याण जी के साथ काम करूं। पहले दिन जब वो आए तो उनकी प्रेजेंस बहुत पावरफुल थी। मुझे थोड़ा इंटरमिडेट महसूस हुआ, जो मेरे साथ कभी नहीं होता। लेकिन जब बातचीत शुरू हुई तो समझ आया कि वो बहुत हंबल हैं और लोगों के बारे में सोचते हैं। उन्हें रीडिंग का शौक है और हम किताबों पर भी चर्चा करते रहे। वो अपने स्टारडम को जिम्मेदारी की तरह लेते हैं। उनसे मिलना मेरे लिए एक खास अनुभव रहा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पहुंचे कैथल

हरियाणा में जल्द दी जाएंगी युवाओं को बड़ी संख्या में नौकरियां-मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में जल्द ही विभिन्न विभागों में भर्तियां की जाएंगी। जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा। इसके लिए सरकार द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। बिना पर्ची-खर्ची के नौकरी वाली भाजपा सरकार आमजन के हितों की सच्ची रक्षक है। इसी के तहत बिना किसी भेदभाव के मेरिट आधार पर नौकरी दी जाती है और हमारे लिए यह गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी लोकसभा में इस बात का जिक्र किया था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कैथल के आरकेएसडी कॉलेज में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में डबल इंजन सरकार उनके आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में गंभीरता से काम कर रही है। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान है कि यदि देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाना है, उसका रास्ता आत्मनिर्भर भारत से होकर जाएगा। इसलिए सभी से अनुरोध है कि भारत निर्मित वस्तुएं ही बेचे और खरीदें।

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता की यह पहचान है कि वह युवाओं सहित प्रदेश के लोगों के हितों की रक्षा करते हैं। हरियाणा में मेरिट के आधार पर नौकरी दी जाती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार ने चुनाव से पूर्व 217 संकल्प लिए थे। जिनमें से बड़ी खुशी की बात है कि 50 संकल्प पूरे कर दिए हैं। जल्द ही 90 संकल्प ओर पूरे कर दिए जाएंगे। सरकार बनते ही हरियाणा में बहनों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया गया। साथ ही बहनों को 2100 रुपये की पेंशन के रूप में देकर लाडो लक्ष्मी योजना के वायदे को पूरा किया गया। योजना के तहत दस लाख बहनों को दो किस्त दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पात्र गरीब लोगों को प्लाट दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही सोनीपत में 550 लोगों को आज ही फ्लैट देने का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि बारिश में जो सड़क टूट गई हैं, उन्हें ठीक किया जा रहा है। इस साल के अंत तक सभी ऐसी टूटी हुई सड़कें ठीक करवा दी जाएंगी। इसके लिए छह विभागों के बीच तालमेल बनाकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आज पूरे देश में आमजन के हित में सरकार इस तरह से काम कर रही है कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। इसलिए विपक्ष झूठ फैलाने का काम करते हैं। भाजपा कार्यकर्ता सरकार की नीतियों को आमजन तक पहुंचाएं और झूठ का पदार्फाश करें। उन्होंने कार्यकताओं को निर्देश दिया कि सभी कार्यकर्ता मन की बात सुनें और गांव के बुजुर्ग को उसमें अध्यक्ष बनाकर उनका मान-सम्मान करें। पौधारोपण भी करवाएं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का कैथल पहुँचने पर डीसी अपराजिता, विधायक सतपाल जांबा, भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, पूर्व विधायक लीला राम, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर, पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर, जिला परिषद चेयरमैन कर्मबीर कौल, हैफेड के पूर्व चेयरमैन कैलाश भगत, पूर्व जिला अध्यक्ष मनीष कठवाड सहित अन्य नेताओं ने स्वागत किया।

'नो नशा नेशन' महायज्ञ अभियान का 100 कुंडीय विश्वशांति वैदिक यज्ञ से हुआ आगाज

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में आर्य युवा समाज तथा हरियाणा पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रस्तरीय आह्वान 'नो नशा नेशन' के वृहद उपलक्ष्य पर 100 कुंडीय वैदिक अग्निहोत्र का शुभायोजन किया गया।

यह आयोजन डीएवी संस्थान के यशस्वी प्रधान पद्मश्री आर्यरत्न डॉ. पूनम सूरी तथा आर्य युवा समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष योगी सूरी की कल्याणकारी तथा नशा विरोधी अवधारणा के वृहद संकल्पना स्वरूप मार्गदर्शन में प्रसारित हो रहा है। उनकी जागरूकतापूर्ण तथा राष्ट्रीय युवा शक्ति के सुखद संरक्षण स्वरूप मानसिकता के अंतर्गत हरियाणा के 16 डीएवी महाविद्यालयों तथा 100 विद्यालयों के द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर वैदिक अग्निहोत्र सस्मय आयोजन होगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ सम्माननीय अतिथि के रूप में सतीश सेठ (वरिष्ठ पत्रकार) तथा नीतू मित्तल (स्त्री आर्य समाज प्रधान), राजरानी गर्ग, श्री विजय गर्ग MC, सुशीला शर्मा MC, सभी अभिभावकों तथा विद्यालय प्राचार्या अंजु गंभीर की गरिमामयी उपस्थिति में उनके द्वारा हवन में प्रथमाहुति अर्पित करके किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के 100 विद्यार्थियों ने अपने-अपने हवन कुंडों में यज्ञ प्रक्रिया का सुसंचालन कर-के अपनी यज्ञप्रवीणता का कुशलतापूर्वक परिचय दिया। उन्होंने मुख्य हवन कुंड से उच्चारित हो रहे वैदिक मंत्रों को ध्यानपूर्वक सुनकर तल्लीनता से सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण की।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उनके द्वारा प्रस्तुत नशाविरोधी व सतर्कतापूर्ण नुक्कड़ नाटक आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। इसके उपरांत पुलिस लाइन में बच्चों के द्वारा नशा विरोधी रैली निकाली गई। सभी बच्चों ने इस आयोजन में व्यसन विरोधी नारों के उदात्त घोष के माध्यम से सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाई। विशिष्ट अतिथि राजरानी तथा सुशीला जी ने विद्यालय की यज्ञसंबंधी अद्भुत पहल तथा संपूर्ण आयोजन की भूरि भूरि प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों तथा उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में बच्चों को राष्ट्र के कर्णधार बताते हुए देश के प्रति उनकी भूमिका समझाई और नशे के दुष्परिणामों के विषय में विस्तृत चर्चा करते हुए बच्चों को प्रतिदिन बढ़ रहे नशे के प्रति सचेत किया। प्राचार्या महोदया ने सभी अतिथियों का आभार ज्ञापित करते हुए उनके द्वारा की गई इस अनुपम तथा जनकल्याण संबंधी पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमें बुराइयों से दूर रहने और अपने परिवार तथा आस-पड़ोस को नशामुक्त रखने हेतु कृतसंकल्प होना चाहिए।

जीवन चानन आरोग्य धाम को मिली नई एंबुलेंस

■ विधायक योगेंद्र राणा ने मुख्यतिथि के रूप की शिरकत

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। जीवन चानन आरोग्य धाम में चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम दर्ज किया गया। समाजसेवी जगदीश जुनेजा ने संस्था को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एंबुलेंस भेंट की, जिससे आपातकालीन स्थिति में मरीजों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

इस अवसर पर नगर की पंजाबी धर्मशाला में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक योगेंद्र राणा व दिल्ली के व्यवसाय जगदीश जुनेजा व उनके सुपुत्र अमित जुनेजा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। जबकि मार्किट कमेटी के वाइस चेयरमैन रामावतार जिंदल व समाजसेवी लाला भगवान दास छाबड़ा विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पहुंचने पर जे सी महिला महाविधालय के निदेशक रमेश बतरा, पंजाबी सभा के प्रधान जगदीश पाहवा, नपा चेयरपर्सन सुनीता अरड़ाना, वाइस चेयरमैन राजेन्द्र ढींगड़ा व पूर्व नपा चेयरमैन दीपक छाबड़ा नें सभी अतिथियों का फूल मलाओं से स्वागत किया।

विधायक योगेंद्र राणा व व्यवसायी जगदीश जुनेजा नारियल फोड़कर एम्बुलेंस का उद्घाटन करते हुए। (छायाः एसबी)

मुख्यतिथि विधायक योगेंद्र राणा नें कहा कि कोई भी कार्य अकेले से नहीं होता। समाज हित में सामाजिक संस्थाओं का बहुत बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के व्यवसायी जगदीश जुनेजा जिनकी जन्मस्थली मूल रूप से असन्ध है। उन्होंने आधुनिक सुविधाओं से लैस एम्बुलेंस असन्ध की संस्था को दान भेंट कर अपने शहर की मिट्टी से जुड़े होने की मिसाल दी है। इससे शहरवासियों व ग्रामीण क्षेत्र के रोगियों को लाभ मिल सकेगा। नवप्राप्त एंबुलेंस में ऑक्सीजन सपोर्ट, कार्डियक मॉनिटर, आधुनिक स्ट्रेचर, प्राथमिक उपचार किट, वेंटिलेशन सिस्टम सहित कई उन्नत तकनीकी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। संस्थान के पदाधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह एंबुलेंस शहरवासियों के लिए जीवनरक्षक सिद्ध होगी।

एंबुलेंस भेंट करते हुए व्यवसायी जगदीश जुनेजा ने कहा कि सेवा करना मानव धर्म है। यदि मरीजों को समय पर सुविधाएँ मिलें तो अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं। इसी उद्देश्य से यह एंबुलेंस समाज को समर्पित की गई है।

मुख्यतिथि विधायक योगेंद्र राणा, संस्था के पद अधिकारी रमेश बतरा,नरेश मेहता, चमन पहवा व विवेक बतरा ने इस सामाजिक योगदान का स्वागत करते हुए कहा कि जीवन चानन आरोग्य धाम में यह सुविधा जोड़ने से शहर की चिकित्सा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

इस अवसर पर अमित जुनेजा, लाला जयकुवाँर गर्ग, समाजसेवी अमरजीत छाबड़ा, जगदीश छाबडा,ड़ा हिमांशु छाबड़ा, राजेन्द्र सिंधवानी, अजय कपूर, पार्षद वक्की जुनेजा, हरि कृष्ण अरोड़ा आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से परेशानः शेर प्रताप शेरी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से परेशान है। भाजपा केवल झूठे वादों से जनता को बहलाने का काम कर रही है जबकि असल में न युवाओं को रोजगार मिला और न किसानों की समस्याओं का समाधान हुआ। उपरोक्त विचार हरियाणा किसान कांग्रेस पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शेर प्रताप शेरी ने करनाल रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक को सम्बोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के राज में कानून व्यवस्था बदहाल है, युवा बेरोजगार हैं। भाजपा की जन विरोधी नीतियों से प्रदेश की जनता का मोह भंग हो चुका है। शेरी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कार्यकाल में प्रदेश में रिकार्ड विकास कार्य हुए तथा विभिन्न विभागों में लाखों युवाओं को नौकरियां दी गई। उन्होंने कहा कि 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली राहुल गांधी की वोट चोर गद्दी छोड़ रैली ऐतिहासिक होगी। लाखों लोग रैली में पहुंच कर लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपना संदेश देगें। शेरी ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में रैली में पहुंचने की अपील की। इस अवसर पर ब्राह्मण सभा के पूर्व प्रधान सुखदेव शर्मा, पूर्व सरपंच युद्धवीर सिंह, प्रताप जयसिंहपुर, सुखबीर सिंधड, जयनारायण प्रजापति, करतार मलिक, मंगली राम शर्मा, परमजीत दूहन, बलजिंदर सिंह, गुरनाम सिंह, आजाद, बीरा, मंगा हलवाई सहित अन्य मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हरियाणा किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शेर प्रताप शेरी। (छायाः एसबी)

अनुशासन, टीमवर्क, धैर्य एवं परिश्रम करना सीखाते हैं खेलः डीसी अपराजिता

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक बल और उत्साह प्रदान करते हैं, बल्कि वे जीवन के बड़े-बड़े संस्कार भी सिखाते हैं, जैसे अनुशासन, टीमवर्क, धैर्य, परिश्रम और हार को स्वीकार कर दोबारा जीतने का प्रयास करना। उन्होंने खेलों को मानसिक और शारीरिक विकास के लिए आवश्यक बताते हुए ऐसे आयोजनों को समय-समय पर करने पर जोर दिया। शनिवार को विधानसभा स्तर सांसद खेल प्रतियोगिताओं का समापन हुआ और आगामी 14 दिसंबर से लोकसभा स्तर पर सांसद खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन शुरू होगा।

डीसी अपराजिता शनिवार को महाराजा सूरजमल जाट स्टेडियम में आयोजित हो रही गुहला विधानसभा स्तर पर सांसद खेल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। डीसी ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिता हो या अन्य प्रतियोगिताएं, सभी देश को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने का काम कर रही है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे बढ़ चढ़कर ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लें। उन्होंने आगे कहा कि खेल हमारे जीवन का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। जैसे पढ़ाई से हमारी बुद्धि विकसित होती है, वैसे ही खेल से शरीर स्वस्थ रहता है। एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। असल खिलाड़ी वही है जो मैदान में पूरी ईमानदारी और जोश से खेलता है। ऐसी प्रतियोगिता में भाग लेना ही सबसे बड़ी जीत है। क्योंकि जो खेलता है वही आगे बढ़ता है। इसलिए पूरे जोश, उत्साह और ईमानदारी से खेलें।

भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा की सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। पहले यह खंड स्तर पर आयोजित हुआ था और अब विधानसभा वाइज खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। आज शनिवार को विधानसभा गुहला की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है और आगामी 14 दिसंबर को लोकसभा स्तर पर खेल कूद प्रतियोगिता होगी। उन्होंने बच्चों का आह्वान किया कि वह अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को बाहर लेकर आए और ज्यादा से ज्यादा खेलों में भाग लें।

युवा पीढ़ी नशे से दूर रहें। इस मौके पर सांसद नवीन जिंदल के कैथल प्रभारी रविंद्र कुमार धीमान आदि मौजूद रहे।

बरौनी रिफाइनरी में वर्षों से बंद क्रेन चालू होते ही टूटा, दबने से मजदूर की मौत

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। बरौनी रिफाइनरी में शनिवार को हुई एक भयावह दुर्घटना ने औद्योगिक सुरक्षा मानकों और मशीनों के रखरखाव को लेकर गंभीर चिंताएं खड़ी कर दी हैं। महना निवासी अजीत सिंह,जो रिगर के पद पर तैनात थे, उनकी ड्यूटी के दौरान क्रेन का बेल्ट अचानक टूटने से वह उसके नीचे दब गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस क्रेन से यह हादसा हुआ वह करीब दो वर्षों से बंद पड़ी थी। आरोप है कि बिना किसी तकनीकी जांच, निरीक्षण या सुरक्षा परीक्षण के उसे अचानक चालू कर दिया गया। कर्मचारियों का कहना है कि मशीन की खराबी और सुरक्षा मानकों की अनदेखी इस दुर्घटना का सीधा कारण बनी।हादसे के बाद रिफाइनरी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। अजीत सिंह की मौत की खबर फैलते ही उनके परिजनों में मातम छा गया। परिवार ने कंपनी पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया, जिसकी वजह से उनके परिवार का बेटा जिंदगी से हाथ धो बैठा। परिजनों ने 1 करोड़ रुपये मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की है।

वही, कामगारों का कहना है कि अगर कंपनी नियमित रूप से मशीनों की सर्विसिंग और सुरक्षा जांच करती तो इस तरह की घटना को रोका जा सकता था। कर्मचारियों ने यह भी बताया कि रिफाइनरी में इस प्रकार की घटनाएँ समय-समय पर होती रहती हैं, लेकिन उचित कार्रवाई न होने से हालात में सुधार नहीं आ रहा है। स्थानीय लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि पदाधिकारी समय पर फोन नहीं उठाते हैं।

डीएवी स्कूल के बच्चों ने रैली और नाटक के माध्यम से किया नशे के खिलाफ जागरूक

■ नो नशा नेशन कैंपेन के तहत 100 कुंडीय हवन का किया आयोजन

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। डीएवी पब्लिक स्कूल द्वारा नो नशा नेशन कैंपेन के तहत नगर की नई अनाज मंडी में 100 कुंडीय हवन का आयोजन किया गया। हवन में मुख्य अतिथि, बच्चों व शिक्षकों ने आहुति डाली। कार्यक्रम की शुरूआत गायत्री मंत्र की पवित्र ध्वनि के साथ की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन दीपक छाबड़ा ने शिरकत की। मुख्य अतिथि का स्कूल के प्रधानाचार्य सुखपाल सिंह मान ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में जेसी कॉलेज के डायरेक्टर रमेश बतरा, समाजसेवी अमरजीत छाबड़ा, मार्केट कमेटी वाईस चेयरमैन राम अवतार जिंदल, नपा वाईस चेयरमैन राजेंद्र ढींगड़ा, डॉ. बूटी राम व विवेक बतरा ने भी शिरकत की। इस दौरान बच्चों ने नशा मुक्त जागरुकता रैली निकाली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। रैली के दौरान बच्चों ने प्रेरक नारों से लिखी तख्तियों व बैनरों के माध्यम से लोगों को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित किया। पूर्व चेयरमैन दीपक छाबड़ा ने युवा पीढ़ी को नशे दूर रहकर शिक्षा और समाज सेवा के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने डीएवी स्कूल द्वारा नशे के खिलाफ चलाई गई मुहिम की सराहना की। नशा न सिर्फ शरीर को कमजोर करता है बल्कि यह समाज व परिवार को भी खोखला करता है।

स्कूल प्रिंसिपल सुखपाल सिंह मान ने कहा कि डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी के प्रधान डॉ. पूनम सूरी और आर्य युवा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगी सूरी के नेतृत्व में प्रदेश भर में विभिन्न स्थानों पर एक साथ 100 कुंडीय हवन एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। इस प्रकार के जागरुकता अभियान समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाने में अहम भूमिका निभाते है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने जीवन से नशे को पूरी तरह त्याग दें और दूसरे को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने सफल कार्यक्रम के लिए स्कूल गतिविधि इंचार्ज रूही वर्मा सहित स्टाफ सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पीटीआई साहब सिंह, कुलवंत कौर, रूही वर्मा, रामबिलास, प्रदीप कुमार, मनजीत जागलान, सुरेश दीक्षित, एडवोकेट नरेंद्र शर्मा सहित मौजूद रहे।

हर्ल बरौनी को मिला राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला व रसद में उत्कृष्टता पुरस्कार

एसबी ब्यूरो

बीहट/बेगूसराय। हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड हर्ल बरौनी को हैदराबाद के नोवोटेल स्थित हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 12वें आपूर्ति श्रृंखला एवं रसद उत्कृष्टता स्केल पुरस्कार 2025 में रसायन उर्वरक श्रेणी में राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला एवं रसद उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान परिचालन उत्कृष्टता, नवाचार और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला क्षमताओं पर हर्ल के अटूट ध्यान को दर्शाता है। यह हमारे बरौनी इकाई के बी.यू.एच. नितिन सक्सेना के मार्गदर्शन में प्रबंधन द्वारा दी गई दृढ़ प्रतिबद्धता, रणनीतिक दिशा और निरंतर समर्थन का भी प्रमाण है, जिससे हम उद्योग-अग्रणी मानकों को प्राप्त करने में सक्षम हुए हैं। हम इस उपलब्धि में योगदान देने वाले प्रत्येक टीम सदस्य के समर्पण और सहयोगात्मक प्रयासों के लिए अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करते हैं। यह जानकारी इकाई के कारखाना प्रबंधक मनीष कुमार द्वारा प्रदान की गई। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर पूरे हर्ल परिवार में हर्ष देखा गया।

गैस एजेंसी की मनमानी से रसोई गैस उपभोक्ता परेशान

एसबी संवाददाता/तेघड़ा(बेगूसराय)। तेघड़ा बाजार में घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं को स्थानीय भारत गैस की एजेंसी दुर्गा गैस इंटरप्राइजेज द्वारा समय पर नहीं दिया जाता है। दुर्गा गैस इंटरप्राइजेज के ग्राहक इशरत प्रवीण, मनोज कुमार, आनंद कुमार सहित दर्जनों ग्राहकों ने बताया कि तेघड़ा बाजार क्षेत्र के सैकड़ों महिला पुरुष उपभोक्ता बीते चार दिनों से चौक चौराहा, गली मुहल्लों में खाली गैस का सिलेंडर लेकर सुबह से शाम तक खड़े रहते हैं और गैस एजेंसी की गाड़ी पर बैठे गैस वितरण कर्मी एवं वाहन चालक उपभोक्ताओं की एक नहीं सुनते हैं गाड़ी को बहुत तेज रफ्तार से भगाते आगे बढ़ जाते है। नियमानुसार गैस बुकिंग के 24-48 घंटे के अंदर उपभोक्ताओं को घर तक उपलब्ध कराने का प्रावधान है लेकिन यहां पांच दिन बाद भी गैस सिलेंडर ग्राहकों को नहीं मिल रहा है। ऑनलाइन मैसेज में गैस की होम डिलीवरी दिखाया जाता है लेकिन धरातल पर उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर नहीं मिला है। गैस एजेंसी एवं उनके वितरण कर्मी की मनमानी, दबंगई से तेघड़ा बाजार के सैकड़ों उपभोक्ता ठंड के मौसम में रसोई गैस की किल्लत से काफी परेशान है। गैस डिलिवरी करने पर निर्धारित मूल्य 932 रुपए की जगह 950 रुपये ग्राहकों से लिया जाता है। तेघड़ा बाजार के उपभोक्ताओं ने बनावटी किल्लत दिखाने वाले गैस एजेंसी पर दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग बेगूसराय के डीएम से की है।

कैथल पुलिस की नशा-विरोधी मुहिम तेज

■ गांव पबनावा, टीक व कैथल शहर में चलाया जागरूकता अभियान

संजना भारती संवाददाता

कैथल। हरियाणा पुलिस महानिदेशक ओ.पी. सिंह के आदेशानुसार नशा मुक्त हरियाणा मुहिम के तहत समाज को नशे से मुक्त करने के उद्देश्य से एसपी उपासना के नेतृत्व में जिला कैथल पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को डीएसपी कुलदीप बेनीवाल की अगुवाई में एसआई कर्मबीर, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही किस्मत व सोनिया, तथा एसपीओ राजपाल, प्रदीप कुमार और जसविंदर की टीम ने गांव पबनावा, टीक व कैथल शहर में आमजन को नशे के दुष्परिणामों बारे विस्तारपूर्वक जागरूक किया।

पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि टीम ने लोगों को समझाया कि नशा आज समाज के लिए गंभीर अभिशाप बन चुका है। नशे ने लाखों परिवारों को बर्बाद किया है और हर साल हजारों युवा इसकी दलदल में फंसकर अपनी जान गंवा रहे हैं। युवा ही देश की नींव होते हैं, लेकिन उन्हीं युवाओं को नशे की लत पकड़ रही है, जो राष्ट्र के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसलिए समाज को हर हाल में नशे से दूरी बनानी होगी और युवाओं को पढ़ाई व खेलों में उत्कृष्टता हासिल कर राष्ट्र निर्माण में योगदान करना चाहिए। टीम ने बताया कि नशा मुक्त हरियाणा मुहिम केवल पुलिस के दम पर सफल नहीं हो सकती, बल्कि इसमें आमजन का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बिना किसी डर या भय के नशीले पदार्थों की बिक्री, तस्करी या उपयोग की जानकारी पुलिस को दें। सूचना देने वाले का नाम और पहचान पूर्णतया गोपनीय रखी जाएगी। इसके साथ ही लोगों को बताया गया कि नशे से पीड़ित व्यक्तियों को नशा छुड़ाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना पुलिस के साथ-साथ आमजन का भी दायित्व है।